सूरज की तपिश से थर्राया गुना, पारा 44 पार

शाम की बूंदाबांदी ने राहत के बजाय बढ़ाई उमस, 30 अप्रैल तक रहेगी 8वीं कक्षा तक की छुट्टी

नवभारत न्यूज

गुना 27 अप्रैल का। नक्षत्रों की चाल और जलवायु परिवर्तन का दोहरा प्रहार अब धरातल पर साफ नजर आने लगा है। गुना जिला इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सोमवार को सूर्यदेव के तल्ख तेवरों ने शहरवासियों को झुलसा कर रख दिया। आलम यह रहा कि अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा ऐसा था मानो शहर में अघोषित कर्फ्यू लगा हो।

गुना में सुबह 5 बजकर 48 मिनट पर सूर्योदय के साथ ही धूप में तीखापन महसूस होने लगा था। सुबह 10 बजे तक आते-आते गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया।

दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच शहर की मुख्य सड़कें और बाजार पूरी तरह सुनसान नजर आए। जो लोग बहुत जरूरी काम से बाहर निकले, वे चेहरे और सिर को पूरी तरह ढंककर ही बाहर निकले। तेज धूप और लू के थपेड़ों के कारण राहगीरों का बुरा हाल रहा। शाम के समय मौसम ने अचानक करवट ली।

करीब 10 मिनट तक हुई तेज बूंदाबांदी और गरज-चमक ने एक बार तो लोगों को राहत की उम्मीद जगाई, लेकिन यह उम्मीद जल्द ही बेहाल करने वाली उमस में बदल गई। गुना के अलावा बमोरी और आसपास के अंचल में भी बूंदाबांदी और फुहारें गिरी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जब भीषण गर्मी के बीच हल्की बारिश होती है, तो जमीन की तपन ऊपर की ओर उठती है, जिससे वातावरण में उमस का स्तर बढ़ जाता है। आंकड़े बताते हैं कि सुबह आर्द्रता 31 प्रतिशत दर्ज की गई, जो शाम तक घटकर 16 प्रतिशत रह गई थी, लेकिन बारिश के बाद उमस ने बेचैनी और बढ़ा दी।

रातें भी हुईं गर्म, 28 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम पारा

गर्मी का असर केवल दिन तक सीमित नहीं है। इन दिनों रात के तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। गुना में सोमवार को न्यूनतम तापमान 28.0 डिग्री दर्ज किया गया। रात का पारा चढ़ने के कारण लोगों को कूलर और एसी के बाद भी चैन नहीं मिल रहा है। सूर्यास्त के घंटों बाद भी कंक्रीट के मकान तवे की तरह तप रहे हैं, जिससे रात के समय भी लू जैसा अहसास बना रहता है।

भीषण गर्मी के चलते कक्षा नर्सरी से 8वीं तक के बच्चों के लिए 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित

गुना। जिले में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने छोटे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा निर्णय लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले के कक्षा नर्सरी से लेकर 8वीं तक के सभी विद्यालयों में 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह आदेश जिले के अंतर्गत संचालित होने वाले सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, मदरसा, सीबीएसई, नवोदय, केंद्रीय विद्यालय एवं शासन से मान्यता प्राप्त समस्त शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू होगा। विद्यार्थियों के लिए यह अवकाश 28 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अवकाश केवल छोटे बच्चों के लिए है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की कक्षाएं पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार यथावत संचालित होती रहेंगी। साथ ही, शासन द्वारा पूर्व से निर्धारित परीक्षाएं और अन्य आवश्यक शैक्षणिक कार्यक्रम भी अपने तय समय पर ही संपन्न होंगे। विद्यार्थियों को अवकाश दिए जाने के बावजूद शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को राहत नहीं दी गई है। आदेश के अनुसार समस्त शैक्षणिक स्टाफ और कार्यरत कर्मचारी प्रात: 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वे विद्यालयीन कार्यों और विभागीय दायित्वों को पूर्ण करेंगे।

डॉक्टरों की सलाहः सावधानी ही बचाव

भीषण गर्मी और हीटवेव को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, अचानक मौसम बदलने और उमस बढ़ने से डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और घबराहट की शिकायतें बढ़ सकती हैं। दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें। यदि निकलना अनिवार्य हो, तो सूती कपड़े पहनें और पर्याप्त पानी पिएं। ओआरएस का घोल, नींबू पानी, और मौसमी फलों का सेवन करें। बासी भोजन से बचें क्योंकि उमस भरे मौसम में खाना जल्दी खराब होता है।

आगामी दिनों का अनुमान

मौसम विभाग की मानें तो आने वाले 48 घंटों में तापमान में विशेष गिरावट की उम्मीद नहीं है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर बन रहे दबाव के कारण कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ दोबारा बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे उमस का ग्राफ और ऊपर जा सकता है। फिलहाल, गुना वासियों को सूर्य की इस तपिश और गर्म रातों से जल्द निजात मिलती नहीं दिख रही है।

108 कुंडीय महायज्ञ में उमड़ रहा जनसैलाब

गुना। म्याना से महज 3 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम जमरा इन दिनों पूरी तरह भक्ति के रंग में सराबोर है। श्री श्री 1008 साकेतवासी महामंडलेश्वर कनक बिहारी दास जी महाराज के कृपा पात्र गंगादास जी महाराज के सानिध्य में 108 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं की बड़ी तादाद रोजाना पहुंच रही है। चातुर्मास व्रत एवं अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति के बाद आयोजित इस महायज्ञ को क्षेत्रवासी अपना परम सौभाग्य मान रहे हैं। जमरा स्थित बगिया वाले बालाजी सरकार मंदिर पर यज्ञ और हवन-पूजन का कार्य निरंतर जारी है। विशेष बात यह है कि भीषण गर्मी के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है; श्रद्धालु नंगे पैर यज्ञशाला की परिक्रमा कर धर्म लाभ ले रहे हैं। इस भव्य आयोजन की कमान समस्त रघुवंशी समाज ने संभाल रखी है। सुबह से ही समाज के लोग अपनी धर्मपत्नियों के साथ जोड़ों में बैठकर आहुतियां दे रहे हैं। यज्ञशाला से उठने वाली 'स्वाहा' की गूंज से पूरा वातावरण पवित्र हो उठा है। आयोजन में न केवल स्थानीय लोग, बल्कि गुना, अशोकनगर और शिवपुरी जिलों के विभिन्न अंचलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

कंपनियां टैगिंग के नाम पर थमा देती हैं अनावश्यक उत्पाद, एसडीएम को दिया ज्ञापन

गुना। खाद, बीज एवं कृषि दवाई विक्रेता संघ के बैनर तले गुना के कृषि व्यापारियों ने सोमवार को अपनी मांगों के समर्थन में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल रखी। इस दौरान जिले भर की खाद-बीज की दुकानें बंद रहीं। इसके बाद व्यापारियों ने लामबंद होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम 20 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

विक्रेताओं ने प्रमुखता से उर्वरक निर्माता कंपनियों द्वारा की जा रही टैगिंग का मुद्दा उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि कंपनियां खाद की बोरियों के साथ अन्य अनावश्यक केमिकल और उत्पाद जबरन थोप देती हैं। इन अतिरिक्त उत्पादों को किसानों को बेचने के चक्कर में विक्रेताओं और किसानों के बीच अक्सर विवाद और बहस की स्थिति निर्मित होती है। संघ ने मांग की है कि खाद के साथ अन्य उत्पादों की इस अनिवार्य टैगिंग को तत्काल बंद किया जाए। ज्ञापन में विक्रेताओं ने ई-टोकन प्रणाली को समाप्त करने और खाद की उपलब्धता सीधे दुकानों पर सुनिश्चित करने की मांग रखी। विक्रेताओं ने आर्थिक पक्ष रखते हुए बताया कि वर्तमान में 1900

की खाद की बोरी पर डीलर को मात्र 20 का कमीशन मिलता है, जो बहुत कम है। इसे बढ़ाने की पुरजोर मांग की गई है। कृषि व्यापारियों का कहना है कि बीज या खाद का सैंपल फेल होने पर विभाग द्वारा सीधे विक्रेताओं पर कार्रवाई की जाती है, जबकि गुणवत्ता की जिम्मेदारी निमार्ता कंपनी की होती है। संघ ने मांग की है कि ऐसी स्थिति में केवल निमार्ता कंपनी को ही जिम्मेदार ठहराया जाए और उन पर कठोर कार्रवाई हो।

इस ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि सरकार इन समस्याओं पर गंभीरता से निर्णय नहीं लेती है, तो भविष्य में स्थाई हड़ताल की जाएगी। विक्रेताओं ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में किसानों को होने वाली परेशानी की पूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी।

विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन, आपसी समझौते से प्रकरणों का हुआ निराकरण

गुना। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुना अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में जिला जेल गुना में विशेष जेल लोक अदालत आयोजित की गई। इस अदालत का नेतृत्व विशेष न्यायाधीश राकेश कुमार जैन ने किया। विशेष जेल लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ केंद्रीय जेल ग्वालियर से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। इसके उपरांत जिला जेल गुना में विशेष न्यायाधीश एवं जेल लोक अदालत के नोडल अधिकारी राकेश कुमार जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों को संबोधित करते हुए लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डाला। इस विशेष अदालत में समझौता योग्य प्रकरण, प्ली-बारगेनिंग और छोटे अपराधों (पेटी ऑफेंस) से संबंधित मामलों को निराकरण के लिए रखा गया था।

प्रकरणों की सुनवाई के लिए एक खंडपीठ का गठन किया गया, जिसके पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डालचंद थे। लोक अदालत के समक्ष कुल 3 प्रकरण रखे गए थे, जिनमें से 2 प्रकरणों का आपसी सहमति और राजीनामे के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

गोद में नन्हे कान्हाजी लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे गौसेवक

गुना। देश में गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए 'गौ सम्मान आव्हान अभियान' अब जोर पकड़ने लगा है। इसी कड़ी में गुना जिले के गौभक्तों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सड़कों पर उतरकर गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की पुरजोर मांग की। सोमवार को जयस्तंभ चौराहे से रैली निकालते हुए गौभक्तों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अभियान की खास बात यह रही कि गौभक्त भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को गोद में लेकर रैली में शामिल हुए। संतों के सानिध्य में निकाली गई इस रैली में जयघोष के साथ गौमाता के संरक्षण का संकल्प दोहराया गया। कार्यकताओं का कहना है कि

देशभर में तहसील स्तर पर यह अभियान चलाया जा रहा है, ताकि केंद्र और राज्य सरकारों तक गौवंश की सुरक्षा की आवाज पहुंच सके। जनजागरूकता के लिए देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। देशभर की प्रत्येक तहसील में ज्ञापन सौंपकर संवैधानिक दर्जे की मांग की जा रही है। इस पूरे आंदोलन को देश के प्रतिष्ठित संतों और धर्माचार्यों का आशीर्वाद प्राप्त है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान नहीं मिल जाता, तब तक उनका संरक्षण और सड़कों पर विचरण कर रहे गौवंश की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। अपील करते हैं कि इस अभियान को सफल बनाने और गौमाता को उचित सम्मान दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

कलेक्ट्रेट की आवक-जावक शाखा पर लटका मिला ताला

नवभारत न्यूज

गुना। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था का केंद्र कलेक्ट्रेट की आवक-जावक शाखा का दरवाजा बंद होने के कारण दूर-दराज से आए दर्जनों आवेदकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच लोग घंटों दफ्तर के बाहर इंतजार करते रहे, लेकिन संबंधित कर्मचारी अपनी कुर्सी से नदारद थे। शाखा बंद होने का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ा जो कई किलोमीटर का सफर तय कर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। म्याना से अपने अति-आवश्यक कार्य के लिए आए एक विकलांग बुजुर्ग को घंटों गेट के बाहर खड़ा रहना पड़ा। आवेदकों ने बताया कि सोमवार का दिन होने के कारण वे उम्मीद लेकर आए थे, लेकिन दफ्तर की तालेबंदी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हैरानी की बात यह रही कि शाखा बंद देख जब आक्रोशित लोगों ने सीधे कलेक्टर को फोन लगाया, तब कहीं जाकर आनन-फानन में कर्मचारियों ने आकर चैनल गेट खोला। हालांकि, दरवाजा खुलने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही क्योंकि संबंधित अधिकारी फिर भी अपनी सीट पर मौजूद नहीं थे। एक पीड़ित आवेदक ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि वह सोमवार को दो बार इस शाखा के चक्कर काट चुका है, लेकिन दोनों ही बार उसे दरवाजा बंद मिला। केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि कुछ प्रशासनिक कार्यों से आए व्यक्तियों को भी बिना काम कराए मायूस होकर लौटना पड़ा। शासकीय नियमों के अनुसार कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय में कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है, अगर कोई कर्मचारी छुट्टी पर होता है तो वैकल्पि व्यवस्थित होना अनिवार्य प्रक्रिया है।

चौपट नदी के टापू पर दबिश देकर पकड़ी अवैध शराब

गुना। जिले में अवैध शराब बनाने और बेचने वालों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में आबकारी विभाग ने जान जोखिम में डालकर नदी के बीच स्थित टापू पर अवैध मदिरा निर्माण के जखीरे को जब्त करने में सफलता हासिल की है। जिला आबकारी अधिकारी के मुताबिक आबकारी वृत्त गुना-1 के प्रभारी राधाकिशन अटारिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बजरंगगढ़ कॉलोनी में बीस भुजा मंदिर के पीछे स्थित चौपट नदी के टापू पर अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है। नदी का पानी गहरा होने के कारण टापू तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन टीम ने हवा भरे ट्यूबों का सहारा लिया और जोखिम उठाते हुए टापू पर पहुंचकर घेराबंदी की। दबिश के दौरान टापू पर 16 ड्रमों में भरा लगभग 300 किलोग्राम लाहन बरामद किया गया। इसके साथ ही नदी किनारे 5 केन में 64 लीटर हाथ भट्टी मदिरा भी पाई गई। मौके पर लाहन को लाना संभव न होने के कारण उसे वहीं नष्ट कर दिया गया। जब्त की गई कुल सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपए आंकी गई है। जांच में सामने आया कि अवैध शराब और लाहन सोनू केवट पुत्र रमेश केवट निवासी कॉलोनी बजरंगगढ़ का था।

इस पूरी कार्रवाई में आबकारी आरक्षक गोविंद सिंह मीणा, अरुण कुमार शर्मा और महिला आरक्षक पूजा रघुवंशी की विशेष भूमिका रही। विभाग द्वारा अवैध मदिरा और जहरीली शराब के विरुद्ध इस प्रकार की सतर्क कार्रवाई निरंतर जारी है।

झंडा दिवस निधि में लक्ष्य से अधिक राशि जुटाने पर जिला सम्मानित

गुना। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गुना जिले ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित करने के फलस्वरूप राज्यपाल द्वारा गुना जिले को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान इस सम्मान का औपचारिक प्रदर्शन किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, विंग कमांडर आशुतोष शुक्ला ने राज्यपाल द्वारा प्राप्त सम्मान प्रतीक और प्रशस्ति पत्र कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को भेंट किया। इस दौरान विंग कमांडर शुक्ला ने जिला प्रशासन और सभी विभागों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों और बेहतर समन्वय के चलते ही लक्ष्य को पार करना संभव हो पाया है। सम्मान समारोह के साथ ही विंग कमांडर शुक्ला ने उपस्थित अधिकारियों को आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य राशि की जानकारी भी साझा की। उन्होंने अपील की कि जिस तरह इस वर्ष सभी ने सक्रिय सहभागिता निभाई है, उसी तरह आने वाले वर्ष में भी सशस्त्र सेनाओं के कल्याण हेतु इस निधि में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

बैठक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ जिले को नई दिशा देने के निर्देश, समय-सीमा बैठक में लंबित प्रकरणों की हुई समीक्षा

गुना को अग्रणी बनाने 'जीरो पेंडेंसी' पर काम करें अधिकारी

नवभारत न्यूज

गुना 27 अप्रैल का। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर कन्याल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले को विकास के उच्च स्तर पर ले जाने के लिए सभी अधिकारियों को 'विकसित भारत' की सोच के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना होगा।

बैठक के प्रारंभ में दिल्ली से आई विशेष टीम ने जिले के पुनर्गठन, तहसीलों की सीमाओं और प्रशासनिक पुनर्संरचना को लेकर अधिकारियों से विस्तार से

चर्चा की। टीम ने जिले की प्रशासनिक आवश्यकताओं को समझा और संभावित बदलावों के लिए सुझाव लिए।

इस दौरान कलेक्टर कन्याल ने जिले में किए गए नवाचारों और वर्तमान कार्यशैली की जानकारी टीम के साथ साझा की। गर्मी के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने आगजनी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आग लगने के कारणों की पहचान कर प्रभावी रोकथाम करें।

मेला या कार्यक्रम स्थलों पर मैकेनिकल झूलों की अनुमति कतई न दी जाए। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त फायर ब्रिगेड, पानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहें।

3000 मासिक पेंशन का लाभ उठाएं

बैठक में श्रम पदाधिकारी आशीष तिवारी ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की प्रगति बताई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 18 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे श्रमिक, जिनकी आय 15,000 से कम है, उनका सीएससी सेंटर के माध्यम से अधिक से अधिक पंजीयन कराएं। इस योजना में मामूली मासिक अंशदान पर 60 वर्ष की आयु के बाद 3,000 मासिक पेंशन का प्रावधान है।

राजस्व कार्यों में 'जीरो पेंडेंसी' का लक्ष्य

राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि आरसीएमएस पोर्टल पर कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा जैसे मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, जल गंगा संवर्धन अभियान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे ने सख्त नाराजगी जाहिर की।

जनगणना 2027: स्व-गणना की अपील

कलेक्टर कन्याल ने जिले के नागरिकों को याद दिलाया कि जनगणना 2027 के अंतर्गत ऑनलाइन स्व-गणना की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 बेहद करीब है। उन्होंने अपील की कि नागरिक अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि यह देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया है।

एस.एल. मेमोरियल स्कूल का कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत परिणाम

नवभारत न्यूज

गुना। भगत सिंह कॉलोनी स्थित प्रतिष्ठित विद्यालय एस.एल. मेमोरियल स्कूल का सीबीएसई कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शानदार रहा है। विद्यालय के सभी 118 विद्यार्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं, जिससे स्कूल का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

परीक्षा परिणामों में विद्यालय के छात्र सहदेव रघुवंशी ने 96.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं, नेहा जैन ने 93.20 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय और आकृति लोणकर ने 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि ने विद्यालय को गौरवान्वित किया है। आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा में सम्मिलित हुए कुल 118 छात्रों में से 71 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। वहीं, 40 छात्र ऐसे रहे जिन्होंने 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। छात्रों की इस गौरवमयी उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में भव्य अभिवादन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संचालक संतोष यादव एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सफल छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यार्थियों की इस सफलता से अभिभावकों में भी भारी उत्साह देखा गया।